

खसम पुं. (अर.) 1. पति, खाविंद, स्वामी, मालिक
2. बैरी, दुश्मन, 3. बुद्ध का एक नाम मुहा.
खसम करना- पर पुरुष से पति-संबंध स्थापित
करना; खसमपीटी- विधवा, पति की मृत्यु देखने
वाली।

खसरा पुं. (अर.) पटवारी का एक कागज जिसमें
प्रत्येक खेत का नंबर, रकबा आदि लिखा होता
है, हिसाब का कच्चा चिट्ठा पुं. (फा.) एक प्रकार
का रोग जिसमें बदन पर छोटे-छोटे दाने निकल
आते हैं और सारे बदन पर खुजली होती है।

खसलत स्त्री. (अर.) स्वभाव, आदत, गुण, प्रकृति।

खसाना स.क्रि. (देश.) गिराना, फेंकना।

खसारत स्त्री. (अर.) 1. कंजूसी, कृपणता 2.
नीचता, अधमता।

खसारा पुं. (अर.) हानि, घाटा, नुकसान।

खसिया वि. (अर.) नपुंसक, हिजड़ा, बधिया पुं.
बकरा मुहा. खसिया करना-बधिया करना।

खसियाना स.क्रि. (देश.) खसी करना, बधिया
करना, नपुंसक बनाना।

खसीस वि. (अर.) 1. कंजूस, कृपण 2. कमीना,
नीच, पामर, क्षुद्रहृदय।

खसोट स्त्री. (देश.) बलपूर्वक छीनने की क्रिया।

खसोटना स.क्रि. (देश.) नोंचना, उखाड़ना, छीन
लेना जैसे- बाल खसोटना, पत्ते खसोटना।

खसोटा पुं. (देश.) 1. लुटेरा 2. कुश्ती का एक
पेंच।

खस्ता वि. (फा.) 1. भुरभुरा, थोड़ी दाब से टूटने
वाला, बहुत नरम 2. खिन्न 3. क्लान्त 4. घायल,
संकटमय, दुर्दशाग्रस्त 5. अकिंचन, दरिद्र।

खस्ता कचौड़ी स्त्री. (फा.+देश.) टिकिया की शकल
की मोमनदार कचौड़ी।

खस्ता हाल पुं. (फा.) फटेहाल।

खस्सी वि.पुं (अर.) बधिया, हिजड़ा, नपुंसक।

खांड पुं. (तत्.) 1. खांड से बनी चीज 2. खंडित
होना।

खांडव पुं. (तत्.) 1. कुरूक्षेत्र का एक प्राचीन वन,
एक वन जिसे अग्नि ने अर्जुन की सहायता से
जलाया था 2. खांड से बनी मिठाई।

खांडवप्रस्थ पुं. (तत्.) धृतराष्ट्र से पांडवों को मिला
हुआ स्थान जहाँ उन्होंने इंद्रप्रस्थ नगर बसाया
था।

खांडवराग पुं. (तत्.) खांड से बना मिष्ठान जैसा-
तिल, मधु, धृत मिलाकर खांडव राग तैयार
किया जाता है।

खाँ पुं. (फा.) दे. खान।

खाँखर वि. (देश.) 1. झीना, सुराखदार, जिसमें
बहुत छेद हो 2. खोखला, पोला जैसे- खाँखर
कपड़ा, खाँखर खटिया।

खाँग पुं. (तद्.) 1. काँटा, कंटक 2. गेंडे के मुँह के
ऊपर का सींग 2. जंगली सुअर का दाँत जो मुँह
के बाहर काँटे की तरह निकला होता है 4. तीतर
आदि के पैर का काँटा।

खाँगर वि. (देश.) 1. खाँगवाला 2. हथियारबंद,
शस्त्रधारी 3. बलवान 4. अक्खड़, उद्दंड।

खाँच पुं. (देश.) 1. संधि, जोड़ 2. खींच कर बनाया
हुआ निशान 3. खचन, गठन 4. दो वस्तुओं के
बीच की जगह।

खाँचा पुं. (देश.) 1. झाबा 2. बड़ा पिंजड़ा 3. पतली
टहनी का बना टोकरा 5. प्रेम जैसे- खिलौने वाले
खाँचा बनाते हैं, फिर उस पर कपड़ा चढ़ाते हैं।

खाँड स्त्री. (तद्.) बिना साफ की हुई चीनी, कच्ची
शक्कर।

खाँडविक पुं. (तद्.) हलवाई, मिठाई बनाने वाला।

खाँड़ा पुं. (तद्.) 1. भाग, टुकड़ा 2. सीधी और
कुछ चौड़ी तलवार।

खाँड़ा स्त्री. (तद्.) टुकड़ा, फाँक।

खाँणी स्त्री. (देश.) कमी, घाटा, त्रुटि।

खाँसना अ.क्रि. (देश.) गले में रुका हुआ कफ या
अटकी चीज निकालने या केवल शब्द करने के